खसरा-रूबेला उन्मूलन: भारत 2026 का लक्ष्य क्यों चूक सकता है?

समाचार-संदर्भ: 27 नवंबर 2026

प्रकाशन: 28 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: स्वास्थ्य, टीकाकरण, अंतर्राष्ट्रीय संगठन | मुख्य परीक्षा: GS-II, स्वास्थ्य और शासन



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ **इस लेख में**

1. खबरों में क्यों
2. परिचय
3. खबर क्या है
4. खसरा और रूबेला क्या हैं
5. 'उन्मूलन' का अर्थ और मानदंड
6. भारत की यात्रा और मौजूदा स्थिति
7. विश्व की तस्वीर
8. लक्ष्य क्यों छूट रहा है
9. आगे की राह
10. प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न
11. मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न
12. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)
13. स्रोत

खबरों में क्यों

27 नवंबर 2026 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने खसरा उन्मूलन की दिशा में वैश्विक प्रगति पर अपनी नवीनतम रिपोर्ट जारी की [1]। इसी अवसर पर संगठन के विशेषज्ञों ने कहा कि भारत खसरा और रूबेला उन्मूलन का क्षेत्रीय लक्ष्य, वर्ष 2026, हासिल नहीं कर पाएगा, भले ही देश में पहली खुराक का टीकाकरण कवरेज 98% तक पहुंच चुका है [9]। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार WHO विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में स्वदेशी संचरण वर्ष 2029 तक रुक सकता है और उसके बाद वर्ष 2032 की ओर औपचारिक सत्यापन की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है [9]।

परिचय

खसरा (measles) विश्व की सबसे संक्रामक बीमारियों में से एक है, जो वायरस से होती है और बुखार, चकत्ते तथा गंभीर जटिलताएँ पैदा कर सकती है। रूबेला (rubella), जिसे जर्मन मीज़ल्स भी कहा जाता है, सामान्यतः हल्की बीमारी है, लेकिन गर्भावस्था के दौरान संक्रमण होने पर यह जन्मजात रूबेला सिंड्रोम (congenital rubella syndrome - CRS), यानी नवजात शिशु की आंख, कान और हृदय से जुड़े स्थायी जन्म दोष, का कारण बन सकती है [5]। दोनों बीमारियों से बचाव संभव है, और भारत में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के अंतर्गत संयुक्त एमआर (MR) टीके की दो खुराक निःशुल्क दी जाती हैं [6]।

खबर क्या है

- **वैश्विक रिपोर्ट:** WHO की 27 नवंबर 2026 को जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में विश्वभर में खसरे से अनुमानित 72,000 मौतें हुईं, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है [1][2]। वर्ष 2000 में यह आंकड़ा अनुमानित 7,70,000 था, यानी मृत्युओं में लगभग 91% की कमी आई है, और वर्ष 2000 से अब तक टीकाकरण से 6 करोड़ से अधिक जानें बचाई जा चुकी हैं [1][2]।
- **चिंता के संकेत:** इसके बावजूद वर्ष 2025 में विश्वभर में लगभग 1 करोड़ लोग खसरे से संक्रमित हुए। पहली खुराक का वैश्विक कवरेज 84% और दूसरी खुराक का 77% रहा, जबकि लगभग 2.9 करोड़ बच्चे खसरे से पूरी तरह असुरक्षित या अधूरे संरक्षण में रहे। वर्ष 2025 में 59 देशों में बड़े या विघटनकारी प्रकोप दर्ज हुए [1][2]।
- **भारत पर आकलन:** WHO और UNICEF के अनुमानों के अनुसार भारत में खसरा-रोधी टीके की पहली खुराक का कवरेज 98% और दूसरी खुराक का 95% है [9]। रिपोर्ट्स के अनुसार लगभग 2.3 करोड़ के विशाल जन्म-समूह (birth cohort) के बावजूद भारत वर्ष 2001 में अनुमान शुरू होने के बाद पहली बार सर्वाधिक अनटीकाकृत बच्चों वाले शीर्ष-10 देशों की सूची से बाहर हुआ है [9]। भारत में वर्ष 2025 में 17,995 खसरा मामले दर्ज हुए, जबकि वर्ष 2023 में यह संख्या 65,150 थी [9][11]।
- **लक्ष्य से चूक:** इस प्रगति के बावजूद WHO विशेषज्ञों के अनुसार देश में स्वदेशी संचरण अभी जारी है, इसलिए क्षेत्रीय लक्ष्य वर्ष 2026 हासिल नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संगठन के तकनीकी अधिकारियों ने संचरण-व्यत्यय (interruption) के लिए वर्ष 2029 और सत्यापन के लिए वर्ष 2032 का संकेत दिया है [9]।

खसरा और रूबेला क्या हैं

- **खसरा:** यह इतना संक्रामक है कि एक संक्रमित व्यक्ति वायरस को 18 तक संवेदनशील लोगों को फैला सकता है [8]। इसकी गंभीर जटिलताओं में निमोनिया, एन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) और अंधता शामिल हैं, और संक्रमण के बाद महीनों तक शरीर की प्रतिरक्षा कमजोर रह सकती है [8]।
- **रूबेला:** इसे जर्मन मीज़ल्स भी कहा जाता है। अधिकांश लोगों में यह बिना लक्षण या हल्के बुखार और चकत्तों के साथ गुजरता है, लेकिन गर्भवती महिला के संक्रमित होने पर वायरस प्लेसेंटा पार कर गर्भ को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे जन्मजात हृदय दोष, मोतियाबिंद और बहरापन जैसे जन्मजात दोष हो सकते हैं (CRS) [5]।
- **टीका:** दोनों बीमारियों के विरुद्ध संयुक्त MR टीका सुरक्षित और प्रभावी है; संपूर्ण संरक्षण के लिए दो खुराक आवश्यक हैं [6]।

'उन्मूलन' का अर्थ और मानदंड

- **परिभाषा:** किसी देश में खसरा 'उन्मूलित' (eliminated) तब माना जाता है, जब वहाँ स्वदेशी (endemic) संचरण पूरी तरह रुक जाए। सत्यापन (verification) के लिए देश को लगातार 36 माह, यानी तीन वर्ष, तक स्वदेशी संचरण की अनुपस्थिति सिद्ध करनी होती है, साथ ही उच्च गुणवत्ता की निगरानी व्यवस्था भी बनाए रखनी होती है [12]।
- **दर्जा खोने की स्थिति:** यदि किसी देश में एक ही वायरस जीनोटाइप और वंशावली (lineage) 12 माह या उससे अधिक समय तक बिना रुके फैलती रहे, तो स्वदेशी संचरण पुनः स्थापित माना जाता है और देश का उन्मूलन दर्जा छीन जाता है [8]।

- **सत्यापन प्रणाली:** WHO के प्रत्येक क्षेत्र में स्वतंत्र क्षेत्रीय सत्यापन आयोग (Regional Verification Commission) देशों के प्रमाणों की समीक्षा कर उन्मूलन की पुष्टि करते हैं [5][8]।
- **उन्मूलन बनाम उच्छेदन:** उन्मूलन किसी देश या क्षेत्र में स्वदेशी संचरण को शून्य करना है, जबकि उच्छेदन (eradication) का अर्थ है पूरे विश्व से रोगजनक का स्थायी समापन, जैसा चेचक (smallpox) के साथ हुआ था।

भारत की यात्रा और मौजूदा स्थिति

- **2017 का बड़ा अभियान:** 5 फरवरी 2017 को भारत ने विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियानों में से एक, राष्ट्रव्यापी MR अभियान, शुरू किया, जिसका लक्ष्य 9 माह से 15 वर्ष से कम आयु के 41 करोड़ से अधिक बच्चों तक पहुंचना था [7]। तत्कालीन राष्ट्रीय परिचालन दिशा-निर्देशों में वर्ष 2020 तक खसरा उन्मूलन और रूबेला/CRS नियंत्रण का लक्ष्य रखा गया था [7]।
- **लक्ष्यों का क्रम:** वर्ष 2019 में WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय समिति ने वर्ष 2023 तक उन्मूलन का लक्ष्य तय किया। कोविड-19 महामारी से हुई बाधा को देखते हुए अक्टूबर 2024 में नई दिल्ली में हुए 77वें क्षेत्रीय समिति सत्र में सदस्य देशों ने प्रस्ताव SEA/RC77/R3 के माध्यम से यह लक्ष्य बढ़ाकर वर्ष 2026 किया और 'क्षेत्रीय रणनीतिक योजना 2024-2028' को स्वीकृति दी [3][4]।
- **UIP में टीका:** सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के अंतर्गत MR टीके की पहली खुराक 9-12 माह और दूसरी खुराक 16-24 माह की आयु में निःशुल्क दी जाती है [6][7]।
- **मान्यता:** भारत को मीज़ल्स एंड रूबेला पार्टनरशिप द्वारा 6 मार्च 2024 को वाशिंगटन डी.सी. में 'मीज़ल्स एंड रूबेला चैंपियन अवार्ड' से सम्मानित किया गया [6]।
- **प्रगति के आंकड़े:** वर्ष 2024 में वर्ष 2023 की तुलना में खसरा मामलों में 73% और रूबेला मामलों में 17% की कमी दर्ज हुई [6]। जनवरी-मार्च 2025 में 332 ज़िलों में खसरा और 487 ज़िलों में रूबेला का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ [6]।
- **कवरेज के दो स्रोत:** स्वास्थ्य मंत्रालय के HMIS आंकड़ों (2024-25) के अनुसार पहली खुराक का कवरेज 93.7% और दूसरी खुराक का 92.2% था [6], जबकि WHO/UNICEF के अनुमानों में यह क्रमशः 98% और 95% है [9]। दोनों आंकड़ों के आधार अलग-अलग हैं - HMIS कार्यक्रम की रिपोर्टिंग पर, जबकि WHO/UNICEF अनुमान सर्वेक्षण और प्रशासनिक आंकड़ों को मिलाकर बनते हैं।
- **मौजूदा अभियान:** 24 अप्रैल 2025 को विश्व टीकाकरण सप्ताह के पहले दिन 'राष्ट्रीय ज़ीरो मीज़ल्स-रूबेला उन्मूलन अभियान 2025-26' शुरू किया गया, जिसमें 'ACT NOW' कार्रवाई, IDSP के माध्यम से निगरानी और U-WIN डिजिटल मंच के उपयोग पर जोर दिया गया [6]।
- **पाँच सूत्रीय रणनीति:** भारत की उन्मूलन योजना के पाँच स्तंभ हैं - प्रत्येक ज़िले में दो खुराकों से 95% से अधिक कवरेज, संवेदनशील केस-आधारित निगरानी, प्रकोपों पर समयबद्ध प्रतिक्रिया, अंतर-विभागीय समन्वय और टीके से जुड़ी भ्रांतियों के विरुद्ध जन-जागरूकता [6]।

विश्व की तस्वीर

- **अमेरिकी क्षेत्र में उलटफेर:** नवंबर 2026 में बोलीविया, मेक्सिको और अमेरिका ने अपना खसरा-उन्मूलन दर्जा खो दिया; इससे पहले नवंबर 2025 में कनाडा का दर्जा गया था, जबकि क्षेत्र ने वर्ष 2024 में यह दर्जा दोबारा पाया था [8]। 13 नवंबर 2026 तक क्षेत्र में वर्ष 2026 के 58,213 पुष्ट मामले और 82 मौतें दर्ज हुईं [8]।
- **यूरोप:** जनवरी 2026 में आर्मेनिया, ऑस्ट्रिया, अज़रबैजान, स्पेन, ब्रिटेन और उज़्बेकिस्तान ने भी अपना दर्जा खोया [10]।
- **सफलताएँ भी:** वर्ष 2025 के अंत तक विश्व के 95 देश खसरा उन्मूलन हासिल या बनाए रखने के लिए सत्यापित थे [1]। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में भूटान, उत्तर कोरिया, मालदीव और तिमोर-लेस्ते खसरा और रूबेला दोनों से मुक्ति पा चुके हैं, जबकि नेपाल और श्रीलंका रूबेला उन्मूलित हैं; सितंबर 2026 में थाईलैंड को रूबेला उन्मूलन के लिए सत्यापित किया गया [5]।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** मीज़ल्स एंड रूबेला पार्टनरशिप (M&RP), जिसमें UNICEF, WHO, गावी, गेट्स फाउंडेशन और अमेरिकी रेड क्रॉस जैसे सहयोगी शामिल हैं, देशों को निगरानी, टीकाकरण और प्रकोप-प्रतिक्रिया में सहायता करता है [1]।

लक्ष्य क्यों छूट रहा है

- **छूटे हुए समूह:** राष्ट्रीय औसत कई बार छोटे-छोटे उप-राष्ट्रीय समूहों और दूर-दराज़ की जेबों (pockets) में कम कवरेज को छिपा देते हैं; मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार WHO विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक हर समुदाय तक पहुंच नहीं बनती, देश जोखिम में बना रहेगा [8][9]।
- **भ्रांतियाँ और भरोसे का संकट:** रिपोर्ट्स के अनुसार सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेशों और टीका-विरोधी भ्रम को विशेषज्ञों ने नई चुनौती बताया है [9]।
- **विशाल जन्म-समूह:** लगभग 2.3 करोड़ बच्चों के वार्षिक जन्म-समूह के साथ अंतिम मील तक पहुंच ही सबसे कठिन चरण है [9]।

आगे की राह

- हर ज़िले में दो खुराकों का कवरेज 95% से अधिक बनाए रखना और छूटे हुए समूहों की सक्रिय खोज [6][8]।
- बुखार-चकत्ते आधारित (fever-rash) निगरानी और प्रयोगशाला पुष्टि को मजबूत रखना, ताकि आयातित मामले तुरंत पकड़े जाएँ [6]।
- टीके से जुड़ी भ्रांतियों के विरुद्ध परिवार, राजनीतिक और धार्मिक नेताओं सहित सभी स्तरों पर स्पष्ट संदेश [9]।
- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार WHO का अनुमान है कि संचरण-व्यत्यय 2029 तक और सत्यापन 2032 तक संभव है - यानी यह विशेषज्ञों का अनुमान है, कोई नई औपचारिक समय-सीमा नहीं [9]।

पढ़ने के लिए संबंधित लेख: अमेरिकी क्षेत्र में खसरे की वापसी और टीकाकरण-रिक्तियों के पाठ पर हमारा पूर्व विश्लेषण - **खसरे की वापसी: टीकाकरण की कमी का सबक**

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. विश्व स्वास्थ्य संगठन की 27 नवंबर 2026 को जारी रिपोर्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: वर्ष 2025 में विश्वभर में खसरे से होने वाली मृत्युओं का अनुमानित आंकड़ा अब तक के सबसे निचले स्तर पर रहा

कथन 2: वर्ष 2025 के अंत तक 95 देश खसरा उन्मूलन हासिल या बनाए रखने के लिए सत्यापित थे

कथन 3: वर्ष 2025 में विश्व के लगभग आधे खसरा मामले अमेरिकी क्षेत्र में दर्ज हुए

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

कथन 1: सही - WHO के अनुसार वर्ष 2025 में खसरे से अनुमानित 72,000 मौतें हुईं, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है [1]

कथन 2: सही - वर्ष 2025 के अंत तक 95 देश खसरा उन्मूलन के लिए सत्यापित थे [1]

कथन 3: गलत - वर्ष 2025 में विश्व के लगभग आधे मामले दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में हुए; अमेरिकी क्षेत्र में 73,000 लोग संक्रमित हुए [1]

प्रश्न 2. विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: भूटान, उत्तर कोरिया, मालदीव और तिमोर-लेस्ते खसरा और रूबेला दोनों से मुक्ति प्राप्त कर चुके हैं

कथन 2: सितंबर 2026 में थाईलैंड को रूबेला उन्मूलन के लिए सत्यापित किया गया

कथन 3: भारत इस क्षेत्र का पहला देश है, जिसने खसरा उन्मूलन प्राप्त किया है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

कथन 1: सही - WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में भूटान, उत्तर कोरिया, मालदीव और तिमोर-लेस्ते ने दोनों रोगों का उन्मूलन किया है [5]

कथन 2: सही - 5 सितंबर 2026 को WHO ने थाईलैंड को रूबेला उन्मूलन के लिए सत्यापित घोषित किया [5]

कथन 3: गलत - भारत ने अभी खसरा उन्मूलन प्राप्त नहीं किया है; WHO विशेषज्ञों के अनुसार देश 2026 का क्षेत्रीय लक्ष्य भी चूक रहा है [9]

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. उच्च टीकाकरण कवरेज के बावजूद भारत के लिए खसरा-रूबेला उन्मूलन का वर्ष 2026 वाला लक्ष्य चुनौतीपूर्ण क्यों रह गया है? अब तक की प्रगति और शेष बाधाओं का आकलन करते हुए आगे की राह सुझाइए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में:

खसरा-रूबेला उन्मूलन का क्षेत्रीय लक्ष्य (2026), WHO रिपोर्ट (27 नवंबर 2026) और विशेषज्ञों के अनुमान का संक्षिप्त संदर्भ।

मुख्य भाग में:

प्रगति: पहली खुराक 98% कवरेज, शीर्ष-10 अनटीकाकृत सूची से बाहर होना, मामलों में बड़ी गिरावट (2023 में 65,150 से 2025 में 17,995), MR अभियान 2017, ज़ीरो MR अभियान 2025-26, चैंपियन अवार्ड 2024। बाधाएँ: उप-राष्ट्रीय स्तर पर छूटे हुए समूह, राष्ट्रीय औसत का भ्रम, विशाल जन्म-समूह, भ्रांतियाँ और टीका-हिचकिचाहट, स्वदेशी संचरण का जारी रहना। अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ: अमेरिका-मेक्सिको-बोलीविया का दर्जा खोना।

निष्कर्ष में:

ज़िला-स्तरीय 95%+ कवरेज, सक्रिय निगरानी, भ्रम-विरोधी संचार; उन्मूलन कोई समापन रेखा नहीं, बनाए रखने की प्रक्रिया है - संचरण-व्यत्यय 2029 और सत्यापन 2032 की ओर निरंतर प्रयास।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

भारत का खसरा-रूबेला उन्मूलन लक्ष्य 2026 में पूरा नहीं होगा, पर टीकाकरण में देश की प्रगति असाधारण है; आवश्यकता छूटे हुए समूहों तक पहुंच और निगरानी को मजबूत करने की है।

प्रश्न 1. क्या खसरा और रूबेला एक ही बीमारी हैं? नहीं। दोनों अलग-अलग वायरस से होने वाली बीमारियाँ हैं। खसरा अत्यंत संक्रामक और गंभीर जटिलताओं वाला रोग है, जबकि रूबेला (जर्मन मीज़ल्स) सामान्यतः हल्का रहता है, पर गर्भावस्था में यह जन्मजात रूबेला सिंड्रोम का कारण बन सकता है। दोनों का बचाव एक ही संयुक्त MR टीके से होता है [6][7]।

प्रश्न 2. उन्मूलन (elimination) और उच्छेदन (eradication) में क्या अंतर है? उन्मूलन का अर्थ किसी देश या क्षेत्र में स्वदेशी संचरण का शून्य होना है, जबकि उच्छेदन का अर्थ पूरे विश्व से रोगजनक का स्थायी समापन है, जैसा अब तक केवल चेचक के साथ संभव हुआ है [3][8]।

प्रश्न 3. खसरा-मुक्ति मिल जाने के बाद भी निगरानी क्यों आवश्यक है? क्योंकि दूसरे देशों से आयातित मामले संचरण को फिर से शुरू कर सकते हैं। नवंबर 2026 में अमेरिका, मेक्सिको और बोलीविया ने अपना उन्मूलन दर्जा इसी वजह से खोया, जिससे स्पष्ट है कि उन्मूलन को प्रतिदिन बचाए रखना पड़ता है [8]।

स्रोत

1. WHO: Historic low in measles deaths, but immunization gaps threaten progress (27 नवंबर 2026)

2. WHO तथ्य-पत्रक: Measles (27 नवंबर 2026)
3. WHO दक्षिण-पूर्व एशिया: क्षेत्र का नया खसरा-रूबेला उन्मूलन लक्ष्य (10 अक्टूबर 2024)
4. WHO क्षेत्रीय समिति प्रस्ताव SEA/RC77/R3: 2026 तक खसरा-रूबेला उन्मूलन
5. WHO दक्षिण-पूर्व एशिया: थाईलैंड रूबेला उन्मूलन के लिए सत्यापित (5 सितंबर 2026)
6. भारत सरकार, PIB: राष्ट्रीय ज़ीरो मीज़ल्स-रूबेला उन्मूलन अभियान 2025-26 (24 अप्रैल 2025)
7. WHO भारत: विश्व के सबसे बड़े MR टीकाकरण अभियानों में से एक की शुरुआत (11 जुलाई 2017)
8. PAHO/WHO: अमेरिकी क्षेत्र में खसरा-उन्मूलन दर्जे की स्थिति (17 नवंबर 2026)
9. प्रेस रिपोर्ट: WHO विशेषज्ञों का भारत-आकलन (28 नवंबर 2026)
10. UNICEF: अमेरिकी क्षेत्र की समीक्षा के बाद चेतावनी (17 नवंबर 2026)
11. WHO ग्लोबल हेल्थ ऑब्जर्वेटरी: भारत के खसरा मामले (वार्षिक)
12. WHO AFRO: Cabo Verde, Mauritius and Seychelles eliminate measles and rubella (17 November 2025)

PCSMANTRA.COM